



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 258]
No. 258]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 31, 2007/भाद्र 9, 1929
NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 31, 2007/BHADRA 9, 1929

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
(बजट प्रभाग)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2007

'8.20 प्रतिशत सरकारी स्टॉक 2022' की बिक्री (पुनर्निर्गम) के लिए नीलामी

फा. सं. 4(5)-डब्ल्यूएंडएम/2007.—भारत सरकार एतद्वारा 4,000 करोड़ रुपए(नामिनल) की कुल राशि के लिए '8.20 प्रतिशत सरकारी स्टॉक, 2022' (जिसे इसके बाद 'स्टॉक' कहा गया है) की बिक्री (पुनर्निर्गम) अधिसूचित करती है। यह बिक्री इस अधिसूचना (जिसे 'विशिष्ट अधिसूचना' कहा गया है) में उल्लिखित शर्तों के साथ-साथ समय-समय पर यथासंशोधित भारत सरकार द्वारा जारी सामान्य अधिसूचना एफ.संख्या 4(9)-डब्ल्यूएंडएम/2000 दिनांक 6 मई, 2002 में निर्दिष्ट शर्तों के अधीन की जाएगी।

निर्गम की विधि

2. सरकारी स्टॉक की बिक्री भारतीय रिजर्व बैंक, मुंबई कार्यालय, फोर्ट, मुंबई-400001 के माध्यम से दिनांक 6 मई, 2002 की सामान्य अधिसूचना एफ. संख्या 4(9)-डब्ल्यूएंडएम/2000 के पैरा 5.1 में निर्धारित तरीके से अनेक मूल्य नीलामी विधि का प्रयोग करते हुए मूल्य आधारित नीलामी द्वारा की जाएगी।

अप्रतिस्पर्धी बोलीदाताओं को आबंटन

3. सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामियों में अप्रतिस्पर्धी बोली देने की सुविधा की संलग्न स्कीम (अनुबंध) के अनुसार बिक्री की अधिसूचित राशि के 5 प्रतिशत तक का सरकारी स्टॉक पात्र व्यक्तियों और संस्थाओं को आबंटित किया जाएगा।

नीलामी का स्थान एवं तारीख

4. यह नीलामी भारतीय रिजर्व बैंक, मुंबई कार्यालय, फोर्ट, मुंबई-400001 द्वारा 7 सितम्बर, 2007 को संचालित की जाएगी। बोलियों सहित विधित्त भरे गए आवेदन-पत्र 7 सितम्बर, 2007 को अपराह्न 12.30 बजे तक उपर्युक्त कार्यालय में प्रस्तुत कर दिए जाने चाहिए।

कब निर्गमित कारोबार

5. यह स्टॉक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उसके परिपत्र सं० आरबीआई/2006-07/178 दिनांक 16 नवम्बर, 2006 के अंतर्गत जारी दिशानिर्देशों के अनुसार 'कब निर्गमित' कारोबार के लिए पात्र होगा।

अवधि

6. 15 फरवरी, 2007 से प्रारम्भ यह स्टॉक पन्द्रह वर्ष की अवधि के लिए होगा। स्टॉक की वापसी-अदायगी 15 फरवरी, 2022 को सममूल्य पर की जाएगी।

निर्गम की तारीख और स्टॉक के लिए भुगतान

7. नीलामी का परिणाम भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अपने फोर्ट, मुंबई कार्यालय में 7 सितम्बर, 2007 को प्रदर्शित किया जाएगा। सफल बोलीदाताओं द्वारा भुगतान 10 सितम्बर, 2007 अर्थात् पुनर्निर्गम की तारीख को किया जाएगा। स्टॉक के लिए भुगतान में नीलामी में

अधिकृत स्टॉक के नामिनल मूल्य पर अंतिम मुद्रांकन की तिथि से अर्थात् 15 अगस्त 2007 से 9 सितम्बर 2007 तक उपरिक्त ब्याज शामिल होगा।

ब्याज

8. मूल निधि की तरीख से स्टॉक के नामिनल मूल्य पर 8.20 प्रतिशत प्रतिवर्ष का ब्याज उपचित होगा तथा इसका मुद्रांकन अर्द्ध-वार्षिक आधार पर 15 फरवरी तथा 15 अगस्त को किया जाएगा।

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से
 वि. शिवसुब्रमणियन, निदेशक (बजट)
 अनुबंध

सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी में अप्रतिस्पर्धी बोली सुविधा स्कीम

I. कार्यक्षेत्र : सरकारी प्रतिभूतियों की व्यापक भागीदारी और खुदरा वास्तविक को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियों की वयमित नीलामियों में "अप्रतिस्पर्धी" आधार पर भागीदारी को अनुमति देने का प्रस्ताव किया गया है। तदनुसार, दिनांकित प्रतिभूतियों की नीलामियों में अधिसूचित राशि के 5 प्रतिशत तक की अप्रतिस्पर्धी बोलियां स्वीकार की जाएंगी। प्रारक्षित राशि अधिसूचित राशि के अन्तर्गत होगी।

II. पात्रता : भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियों की नीलामियों में अप्रतिस्पर्धी आधार पर एस निवेशकों के लिए भागीदारी खुली होगी जो निम्नलिखित शर्तों को पूरा करती हैं।

1. जो भारतीय रिजर्व बैंक के पास बालू खाता (सीए) अथवा सहायक सामान्य बही (एसजीएल) खाता नहीं रखते हैं।
 अपवाद : क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरग्रामी) और सहकारी बैंकों का उचित सांख्यिक दायित्वों के दृष्टिकोण इस स्कीम के अधीन शामिल किया जाएगा।

2. जो प्रति नीलामी दो करोड़ रुपए (अधिकतम मूल्य) से अधिक राशि के लिए एक ही बोली लगाते हैं।

3. जो यह स्कीम प्रदान करने वाले किसी एक बैंक अथवा प्राथमिक डीलर माध्यम से अपनी बोली अप्रत्यक्ष रूप से प्रस्तुत करते हैं।

अपवाद : ऐसे क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरग्रामी) तथा सहकारी बैंक जो भारतीय रिजर्व बैंक में एसजीएल खाता और बालू खाता रखते हैं, अपने अप्रतिस्पर्धी बोलियों को प्रत्यक्ष रूप से प्रस्तुत करने के लिए पात्र होंगे।

III. व्यापकता : उपर्युक्त शर्तों के अंतर्गत "अप्रतिस्पर्धी" आधार पर कर्म, कार्टियों, निगमित निधियों, संस्थाओं, गोपनीय निधियों, न्यायो और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एक निर्धारित किसी अन्य कंपनी निर्देशन दिवसी की व्यक्ति के लिए भागीदारी स्वीकृत है। बोली देने की न्यूनतम राशि 10,000 रुपए (अधिकतम मूल्य) और उसका बचत खाता रुपए के गुरुत्व में होगी जो एक एक दिनांकित स्टॉक के लिए है।

IV. अन्य प्रचालनात्मक दिशानिर्देश :

1. खुदरा निवेशक के लिए उस बैंक अथवा प्राथमिक डीलर, निम्न माध्यम से या सीधे प्राप्त किया जा सकता है जो पास एक सहायक सामान्य बही (सीएसजीएल) खाता रखता अप्रतिस्पर्धी नहीं होगा। व्यक्ति जो इस निदेशक द्वारा स्कीम के अंतर्गत बालू एक बोली दे सकता है। इस आदेश का प्रस्ताव कि निदेशक केवल एक बालू बैंक अथवा प्राथमिक डीलर द्वारा प्राप्त किया जाना और रिकॉर्ड में रखा जाना आवश्यक होगा।

2. अपने ग्राहकों से प्राप्त पक्के आर्डर के आधार पर प्रत्येक बैंक अथवा प्राथमिक डीलर एनडीएस के जरिए आवेदनवार बोलियां प्रस्तुत करेगा। अन्य लोग (अर्थात् गैर ग्राहकों) से प्राप्त पक्के आर्डरों को प्राथमिक डीलर कार्यालय में वास्तविक आवेदन प्रपत्रों में प्रस्तुत किया जाए। वास्तविक आवेदन सभी ग्राहकों की समग्र राशि के लिए एक एकल बोली हो सकता है। अलग-अलग ग्राहकों का व्यौरा यथा नाम और राशि बोली के अनुबंध के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

3. बैंक अथवा प्राथमिक डीलर को अप्रतिस्पर्धी खंड के अधीन आबंटन प्रतिलाभ/कीमत की उस भारांशित औसत दर पर होगी, जो प्रतिस्पर्धी बोली देने के आधार पर नीलामी में सामने आएगी। इस बात पर ध्यान दिए बिना कि बैंक अथवा प्राथमिक डीलर ने अपने ग्राहकों से भुगतान प्राप्त कर लिया है या नहीं, निर्गम की तारीख को भुगतान प्राप्त करके बैंक या प्राथमिक डीलर को प्रतिभूतियां जारी की जाएंगी।
 4. ऐसे मामले में, जहां बोली की राशि प्रारक्षित राशि (अधिसूचित राशि के 5 प्रतिशत) से अधिक है यथानुपात आबंटन किया जाएगा। आंशिक आबंटनों के मामले में, यह बैंक अथवा प्राथमिक डीलरों का उत्तरदायित्व होगा कि वह अपने ग्राहकों को प्रतिभूतियों का उचित आबंटन एक पारदर्शी तरीके से करें।
 5. ऐसे मामले में जहां बोली राशि प्रारक्षित राशि से कम हो, कमी को प्रतिस्पर्धी भाग में लिया जाएगा।
 6. प्रतिभूति को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा केवल एसजीएल रूप में जारी किया जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक इसी या तो बैंक अथवा प्राथमिक डीलर के मुख्य एसजीएल खाते अथवा सीएसजीएल खाते में जमा करेगा, जैसाकि उनके द्वारा निर्देश दिया गया है। मुख्य एसजीएल खाते में जमा करने की सुविधा एकमात्र उन निवेशकों की सेवा के प्रयोजनार्थ है जो उनके घटक नहीं हैं। अतः बैंक अथवा प्राथमिक डीलरों को अप्रतिस्पर्धी बोलियों की निविदा देते समय उनके एसजीएल खाते और सीएसजीएल खाते में जमा होने वाली राशियों (अंकित मूल्य) को स्पष्ट रूप से दर्शाना होगा। बाद में निवेशक के अनुरोध पर मुख्य एसजीएल खाते से वास्तविक रूप में की गई सुपुर्दगी स्वीकार्य है।
 7. यह बैंक अथवा प्राथमिक डीलर का उत्तरदायित्व है कि वह ग्राहक को प्रतिभूतियां हस्तांतरित करे। असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर, ग्राहकों को प्रतिभूतियों का अंतरण निर्गम की तिथि से पांच कार्य दिवसों के भीतर पूरा किया जाएगा।
 8. बैंक अथवा प्राथमिक डीलर अपने ग्राहकों को यह सेवा देने के लिए छह पैसे प्रति सौ रुपए तक दलाली/कमीशन/सेवा प्रभार के रूप में वसूल कर सकते हैं। ऐसी कीमत बिक्री मूल्य में शामिल की जा सकती है या ग्राहकों से अलग से वसूल की जा सकती है। ऐसे मामले में जहां प्रतिभूतियों का अंतरण प्रतिभूति की निर्गम तिथि के बाद प्रभावी होता हो, बैंक या प्राथमिक डीलर को ग्राहक द्वारा देय प्रतिफल राशि में निर्गम तिथि से उपचित ब्याज शामिल होगा।
 9. प्रतिभूतियों की लागत, उपचित ब्याज जहां भी लागू हो, तथा दलाली/कमीशन/सेवा प्रभारों के लिए ग्राहकों से भुगतान प्राप्त करने की कार्य-प्रणाली, बैंक या प्राथमिक डीलर द्वारा ग्राहक के साथ की गई सहमति के अनुसार तैयार की जाएगी। यह उल्लेखनीय है कि कोई अन्य लागत, जैसे निधिकरण लागत को मूल्य में शामिल नहीं किया जाना चाहिए या ग्राहकों से वसूल नहीं किया जाना चाहिए।
- V. बैंकों और प्राथमिक डीलरों को भारतीय रिजर्व बैंक (बैंक) द्वारा समय-समय पर मांगी गई योजना के तहत संचालनों से संबंधित सूचना निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत बैंक को प्रस्तुत करनी होगी।
- VI. ऊपर उल्लिखित दिशानिर्देश बैंक द्वारा समीक्षा के अधीन हैं और तदनुसार, जब भी आवश्यकता होगी, योजना को संशोधित किया जाएगा।

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Economic Affairs)****(BUDGET DIVISION)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 31st August, 2007

Auction for Sale (Re-issue) of '8.20 per cent Government Stock, 2022'

F. No. 4(5)-W&M/2007.—Government of India hereby notifies sale (re-issue) of '8.20 per cent Government Stock, 2022' (hereinafter called 'the Stock') for an aggregate amount of Rs. 4,000 crore (nominal). The sale will be subject to the terms and conditions spelt out in this notification (called 'Specific Notification') as also the terms and conditions specified in the General Notification F No.4 (9)-W&M/2000, dated May 6, 2002 issued by Government of India as amended from time to time.

Method of Issue

2. The Stock will be sold through Reserve Bank of India, Mumbai Office, Fort, Mumbai- 400 001 in the manner as prescribed in paragraph 5.1 of the General Notification F No.4 (9)-W&M/2000, dated May 6, 2002 by a price based auction using multiple price auction method.

Allotment to Non-competitive Bidders

3. The Government Stock up to 5 per cent of the notified amount of the sale will be allotted to eligible individuals and institutions as per the enclosed Scheme for Non-competitive Bidding Facility in the Auctions of Government Securities (Annex).

Place and date of auction

4. The auction will be conducted by Reserve Bank of India, Mumbai Office, Fort, Mumbai-400 001 on September 7, 2007. The application form duly filled in with the bids should be submitted to the aforesaid office on September 7, 2007, by 12.30 P.M.

When Issued Trading

5. The Stock will be eligible for "When Issued" trading in accordance with the guidelines issued by the Reserve Bank of India in its circular No.RBI/2006-07/178 dated November 16, 2006.

Tenure

6. The Stock will be of fifteen -year tenure commencing from February 15, 2007. The stock will be repaid at par on February 15, 2022.

Date of issue and payment for the Stock

7. The result of the auction shall be displayed by the Reserve Bank of India at its Fort, Mumbai office on September 7, 2007. The payment by successful bidders will be on September 10, 2007, i.e., the date of re-issue. The payment for the Stock will include accrued interest on the nominal value of the Stock allotted in the auction from the date of last coupon payment, i.e., August 15, 2007 to September 9, 2007.

Interest

8. Interest at the rate of 8.20 per cent per annum will accrue on the nominal value of the Stock from the date of original issuance and will be paid half yearly on February 15 and August 15.

By Order of the President of India
V. SIVASUBRAMANIAN, Director (Budget)

ANNEX

Scheme for Non-competitive Bidding Facility in the Auctions of Government Securities

I. Scope: With a view to encouraging wider participation and retail holding of Government securities it is proposed to allow participation on “non-competitive” basis in *select* auctions of dated Government of India (GOI) securities. Accordingly, non-competitive bids *up to 5 per cent* of the notified amount will be accepted in the auctions of dated securities. The reserved amount will be **within** the notified amount.

II. Eligibility: Participation on a non-competitive basis in the auctions of dated GOI Securities will be open to investors who satisfy the following:

1. do not maintain current account (CA) or Subsidiary General Ledger (SGL) account with the Reserve Bank of India.

Exceptions: Regional Rural Banks (RRBs) and Co-operative Banks shall be covered under this Scheme in view of their statutory obligations.

2. make a *single* bid for an amount not more than Rs. two crore (face value) per auction.

3. submit their bid *indirectly* through any *one* bank or PD offering this scheme.

Exceptions: Regional Rural Banks (RRBs) and Co-operative Banks that maintain SGL account and current account with the Reserve bank of India shall be eligible to submit their non competitive bids directly.

III. Coverage: Subject to the conditions mentioned above, participation on “non-competitive” basis is open to any person including firms, companies, corporate bodies, institutions, provident funds, trusts, and any other entity as may be prescribed by RBI. The minimum amount for bidding will be Rs. 10,000 (face value) and thereafter in multiples in Rs. 10,000 as hitherto for dated stocks.

IV. Other Operational Guidelines:

1. It will *not* be mandatory for the retail investor to maintain a constituent subsidiary general ledger (CSGL) account with the bank or PD through whom they wish to participate. However, an investor can make only a single bid under this scheme. An undertaking to the effect that the investor is making only a single bid will have to be obtained and kept on record by the bank or PD.

2. Each bank or PD on the basis of firm orders received from their constituents may submit application -wise bids through NDS. The firm orders received from others (i.e. non-constituents) may be submitted in physical application forms to the PDO. The physical application may be a single bid for the aggregate amount of all the customers. Particulars of individual customer viz. name and amount shall be provided as an Annex to the bid.

367/92/07-2

3. Allotment under the non-competitive segment to the bank or PD will be at the weighted average rate of yield/price that will emerge in the auction on the basis of the competitive bidding. The securities will be issued to the bank or PD against payment on the date of issue irrespective of whether the bank or PD has received payment from their clients.
 4. In case the aggregate amount of bid is more than the reserved amount (5% of notified amount), pro rata allotment would be made. In case of partial allotments, it will be the responsibility of the bank or PD to appropriately allocate securities to their clients in a transparent manner.
 5. In case the aggregate amount of bids is less than the reserved amount, the shortfall will be taken to competitive portion.
 6. Security would be issued *only* in SGL form by RBI. RBI would credit either the main SGL account or the CSDL account of the bank or PD as indicated by them. The facility for affording credit to the main SGL account is for the sole purpose of servicing investors who are not their constituents. Therefore, the bank or PD would have to indicate clearly at the time of tendering the non-competitive bids the amounts (*face value*) to be credited to their SGL account and the CSDL account. Delivery in physical form from the main SGL account is permissible at the instance of the investor subsequently.
 7. It will be the responsibility of the bank or the PD to pass on the securities to their clients. Except in extraordinary circumstances, the transfer of securities to the clients shall be completed within *five* working days from the date of issue.
 8. The bank or PD can recover upto six paise per Rs100 as brokerage/commission/service charges for rendering this service to their clients. Such costs may be built into the sale price or recovered separately from the clients. In case the transfer of securities is effected subsequent to the issue date of the security, the consideration amount payable by the client to the bank or PD would also include accrued interest from the date of issue.
 9. Modalities for obtaining payment from clients towards cost of the securities, accrued interest wherever applicable and brokerage/commission/service charges may be worked out by the bank or PD as per agreement with the client. It may be noted that no other costs such as funding costs should be built into the price or recovered from the client.
- V. Banks and PDs will be required to furnish information relating to operations under the Scheme to the Reserve Bank of India (Bank) as may be called for from time to time within the time frame prescribed by the Bank.
- VI. The aforesaid guidelines are subject to review by the Bank and accordingly, if and when considered necessary, the Scheme will be modified.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2007

'8.33 प्रतिशत सरकारी स्टॉक 2036' की बिक्री (पुनर्निर्गम) के लिए नीलामी

फा. सं. 4(5)-डब्ल्यूएंडएम/2007(1)।—भारत सरकार (पुनर्निर्गम) अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत जारी की गई सरकारी स्टॉक 2036 (जिसे इससे बाद 'स्टॉक' कहा गया है) की बिक्री (पुनर्निर्गम) अधिसूचना कन्ती है यह बिक्री इस अधिसूचना (जिसे 'विशेष अधिसूचना' कहा गया है) में उल्लिखित शर्तों के अन्तर्गत की जाएगी। यह अधिसूचना एफ.संख्या 4(5)-डब्ल्यूएंडएम/2000 दिनांक 0 मई, 2002 में विदेश कर्ज को यथोक्त की जाएगी।

निर्गम की विधि

2. सरकारी स्टॉक की बिक्री भारतीय रिजर्व बैंक, मुख्य कार्यालय, पते, मुंबई-400 001 के माध्यम से दिनांक 6 मई, 2002 की संशोधित अधिसूचना एफ. संख्या 4(5)-डब्ल्यूएंडएम/2000 के पैरा 5.1 में निर्धारित शर्तों के अन्तर्गत नीलामी विधि का प्रयोग करते हुए मुख्य आधारित नीलामी द्वारा की जाएगी।

अप्रतिस्पर्धी बोलीदाताओं को आबंटन

3. सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामियों में अप्रतिस्पर्धी बोली देने की सुविधा की संलग्न स्कीम (अनुबंध) के अनुसार बिक्री की अधिसूचित राशि के 5 प्रतिशत तक का सरकारी स्टॉक पात्र व्यक्तियों और संस्थाओं को आबंटित किया जाएगा।

नीलामी का स्थान एवं तारीख

4. यह नीलामी भारतीय रिजर्व बैंक, मुंबई कार्यालय, फोर्ट, मुंबई-400001 द्वारा 7 सितम्बर, 2007 को संचालित की जाएगी। बोलियों सहित विधिवत भरे गए आवेदन-पत्र 7 सितम्बर, 2007 को अपराह्न 12.30 बजे तक उपर्युक्त कार्यालय में प्रस्तुत कर दिए जाने चाहिए।

कब निर्गमित कारोबार

5. यह स्टॉक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उसके परिपत्र सं० आरबीआई/2006-07/178 दिनांक 16 नवम्बर, 2006 के अंतर्गत जारी दिशानिर्देशों के अनुसार 'कब निर्गमित' कारोबार के लिए पात्र होगा।

अवधि

6. 7 जून, 2006 से प्रारम्भ यह स्टॉक तीस वर्ष की अवधि के लिए होगा। स्टॉक की वापसी-अदायगी 7 जून, 2036 को सममूल्य पर की जाएगी।

निर्गम की तारीख और स्टॉक के लिए भुगतान

7. नीलामी का परिणाम भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अपने फोर्ट, मुंबई कार्यालय में 7 सितम्बर, 2007 को प्रदर्शित किया जाएगा। सफल बोलीदाताओं द्वारा भुगतान 10 सितम्बर, 2007 अर्थात् पुनर्निर्गम की तारीख को किया जाएगा। स्टॉक के लिए भुगतान में नीलामी में आबंटित स्टॉक के नामिनल मूल्य पर अंतिम कूपन भुगतान की तारीख से अर्थात् 7 जून, 2007 से 9 सितम्बर, 2007 तक उपचित ब्याज शामिल होगा।

ब्याज

8. प्रारम्भिक निर्गमन की तारीख से स्टॉक के नामिनल मूल्य पर 8.33 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज उपचित होगा तथा इसका भुगतान अर्द्ध-वार्षिक आधार पर 7 दिसम्बर तथा 7 जून को किया जाएगा।

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से
वि. शिवसुब्रमणियन, निदेशक (बजट)
अनुबंध

सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी में अप्रतिस्पर्धी बोली सुविधा स्कीम

I. कार्यक्षेत्र : सरकारी प्रतिभूतियों की वापक भागीदारी और खुदरा धारिता को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियों की वयनित नीलामियों में "अप्रतिस्पर्धी" आधार पर भागीदारी की अनुमति देने का प्रस्ताव किया गया है। तदनुसार, दिनांकित प्रतिभूतियों की नीलामियों में अधिसूचित राशि के 5 प्रतिशत तक की अप्रतिस्पर्धी बोलियां स्वीकार की जाएंगी। प्रारक्षित राशि अधिसूचित राशि के अन्तर्गत होगी।

II. पात्रता : भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियों की नीलामियों में अप्रतिस्पर्धी आधार पर ऐसे निवेशकों के लिए भागीदारी खुली होगी जो निम्नलिखित शर्तों को पूरा करते हैं :

1. जो भारतीय रिजर्व बैंक के पास चालू खाता (सीए) अथवा सहायक सामान्य बही (एसजीएल) खाता नहीं रखते हैं,
अपवाद : क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) और सहकारी बैंकों को उनके सांविधिक दायित्वों के दृष्टिगत इस स्कीम के अधीन शामिल किया जाएगा।

2. जो प्रति नीलामी दो करोड़ रुपये (अंकित मूल्य) से अधिक राशि के लिए एक ही बोली लगाते हैं,

3. जो यह स्कीम प्रदान करने वाले किसी एक बैंक अथवा प्राथमिक डीलर के माध्यम से अपनी बोली अप्रत्यक्ष रूप से प्रस्तुत करते हैं।

अपवाद : ऐसे क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) तथा सहकारी बैंक जो भारतीय रिजर्व बैंक में एस.जी.एल.खाता और चालू खाता रखते हैं, अपनी अप्रतिस्पर्धी बोलियों को प्रत्यक्ष रूप से प्रस्तुत करने के लिए पात्र होंगे।

III. व्यापकता : उपर्युक्त शर्तों के अधीन "अप्रतिस्पर्धी" आधार पर फर्मों, कंपनियों, निगमित निकायों, संस्थाओं, भविष्य निधियों, न्यासों और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथा-निर्धारित किसी अन्य कंपनी सहित किसी भी व्यक्ति के लिए भागीदारी खुली

है। बोली देने की न्यूनतम राशि 10,000 रुपए (अंकित मूल्य) और उसके बाद 10,000 रुपए के गुणजों में होगी जैसा अब तक दिनांकित स्टॉक के लिए है।

IV. अन्य प्रचालनात्मक दिशानिर्देश :

1. खुदरा निवेशक के लिए उस बैंक अथवा प्राथमिक डीलर, जिनके माध्यम से वे भाग लेना चाहते हैं, के पास एक सघटक सहायक सामान्य बही (सीएसजीएल) खाता रखना अनिवार्य नहीं होगा तथापि कोई भी निवेशक इस स्कीम के अर्धीन केवल एक बोली दे सकता है। इस आशय का ध्यान कि निवेशक केवल एक बोली दे रहा है, बैंक अथवा प्राथमिक डीलर द्वारा प्राप्त किया जाना और रिकार्ड में रखा जाना आवश्यक होगा।
2. अपने ग्राहकों से प्राप्त पक्के आर्डर के आधार पर प्रत्येक बैंक अथवा प्राथमिक डीलर एनडीएस के जरिए आवेदन-वार बोलियां प्रस्तुत करेगा। अन्य लोगों (अर्थात् गैर-ग्राहकों) से प्राप्त पक्के आर्डरों को प्राथमिक डीलर कार्यालय में वास्तविक आवेदन प्रपत्रों में प्रस्तुत किया जाए। वास्तविक आवेदन सभी ग्राहकों की समग्र राशि के लिए एक एकल बोली हो सकता है। अलग-अलग ग्राहकों का ब्यौरा यथा नाम और राशि बोली के अनुबंध के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।
3. बैंक अथवा प्राथमिक डीलर को अप्रतिस्पर्धी खंड के अर्धीन आवेदन प्रतिस्पर्धात्मकता की उस संश्लेषित औसत दर पर होगा जो प्रतिस्पर्धी बोली देने के आधार पर नीलामी में सामने आएगी। इस बात पर ध्यान दिए बिना कि बैंक अथवा प्राथमिक डीलर ने अपने ग्राहकों से गुगतन प्राप्त कर लिया है या नहीं, निर्णय की तारीख को गुगतन प्राप्त करके बैंक या प्राथमिक डीलर को प्रतिभूतियों जारी की जाएगी।
4. ऐसे मामले में, जहां बोली की राशि प्रारक्षित राशि (अधिसूचित राशि के 5 प्रतिशत) से अधिक है, यथासुचित आवेदन किया जाएगा। आंशिक आवंटनों के मामले में, यह बैंक अथवा प्राथमिक डीलरों का उत्तरदायित्व होगा कि वह अपने ग्राहकों को प्रतिभूतियों का उचित आवंटन एक पारदर्शी तरीके से करें।
5. ऐसे मामले में जहां बोली राशि प्रारक्षित राशि से कम हो, कमी को प्रतिस्पर्धी भाग में बांटा जाएगा।
6. प्रतिभूति को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा केवल एशजीएल खाते में जारी किया जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक इसे या तो बैंक अथवा प्राथमिक डीलर के मुख्य एसजीएल खाते अथवा सीएसजीएल खाते में जमा करेगा, जहाँ के जमा के द्वारा निवेश दिया गया है। मुख्य एसजीएल खाते में जमा करने की सुविधा एकमात्र उन निवेशकों की सेवा के प्रयोजनार्थ है जो उनके धन के नए रूप में अतः बैंक अथवा प्राथमिक डीलरों को अप्रतिस्पर्धी बोलियों की निविदा देते समय उनके एशजीएल खाते और सीएसजीएल खाते में जमा होने वाली राशियों (अंकित मूल्य) को समष्टि रूप से दर्शाते बीमा पत्र में निवेशक के अनुसार पर मुख्य एसजीएल खाते से वास्तविक रूप में की गई सुसूक्ष्म रीतिवार्थ है।
7. यह बैंक अथवा प्राथमिक डीलर का उत्तरदायित्व है कि वह ग्राहक को प्रतिभूतियों परत करित करने असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर, ग्राहकों को प्रतिभूतियों का अंतरण निर्णय नहीं निधि से प्रतिकार्य किया जा सके पुरा किया जाएगा।
8. बैंक अथवा प्राथमिक डीलर अपने ग्राहकों को यह सेवा देने का लिए एक परत प्रति या अगर एक बजाली/कमीशन/सूचक, इनमें के रूप में दर्शित कर सकते हैं। ऐसी कमीशन/सूचक मूल्य में शामिल की जा सकती है या ग्राहकों से अलग से वसूल हो सकती है। ऐसे मामले में जहां प्रतिभूतियों का अंतरण प्रतिभूति की निर्गत तारीख के बाद प्रयोज्य होता हो, बैंक या प्राथमिक डीलर को ग्राहक द्वारा देय प्रतिफल राशि से निर्गत तारीख से उचित व्याज शामिल होना।
9. प्रतिभूतियों की लागत, उपयुक्त व्याज जहां भी लागू हो, तथा बजाली/कमीशन/सूचक प्रयोज्य का लिए ग्राहकों से गुगतन प्राप्त करने की कार्य प्रणाली, बैंक या प्राथमिक डीलर द्वारा ग्राहक के साथ की गई समझौते का अनुसार तैयार की जाएगी। यह उत्त्सेख्यार्थ है कि कोई अन्य लागत, जैसे भौतिकरण लागत की मूल्य में शामिल नहीं किया जाना चाहिए या ग्राहकों से वसूल नहीं किया जाना चाहिए।

V. बैंकों और प्राथमिक डीलरों को भारतीय रिजर्व बैंक (बीक) द्वारा समग्र समय पर समय गई योजना के तहत संयोजनों का संबंधित सूचना निर्धारित समय स्कीम के अंतर्गत बैंक को प्रस्तुत करनी होगी।

VI. ऊपर उल्लेखित दिशानिर्देश बैंक द्वारा एनडीएस के अर्धीन है और यथासुचित अवधि आवश्यकता होगी, संशोधित किया जाएगा।

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st August, 2007

Auction for Sale (Re-issue) of '8.33 per cent Government Stock, 2036'

F. No. 4(5)-W&M/2007(i).— Government of India hereby notifies sale (re-issue) of '8.33 per cent Government Stock, 2036' (hereinafter called 'the Stock') for an aggregate amount of Rs. 3,000 crore (nominal). The sale will be subject to the terms and conditions spelt out in this notification (called 'Specific Notification') as also the terms and conditions specified in the General Notification F No.4 (9)-W&M/2000, dated May 6, 2002 issued by Government of India as amended from time to time.

Method of Issue

2. The Stock will be sold through Reserve Bank of India, Mumbai Office, Fort, Mumbai- 400 001 in the manner as prescribed in paragraph 5.1 of the General Notification F No.4 (9)-W&M/2000, dated May 6, 2002 by a price based auction using multiple price auction method.

Allotment to Non-competitive Bidders

3. The Government Stock up to 5 per cent of the notified amount of the sale will be allotted to eligible individuals and institutions as per the enclosed Scheme for Non-competitive Bidding Facility in the Auctions of Government Securities (Annex).

Place and date of auction

4. The auction will be conducted by Reserve Bank of India, Mumbai Office, Fort, Mumbai-400 001 on September 7, 2007. The application form duly filled in with the bids should be submitted to the aforesaid office on September 7, 2007, by 12.30 P.M.

When Issued Trading

5. The Stock will be eligible for "When Issued" trading in accordance with the guidelines issued by the Reserve Bank of India in its circular No.RBI/2006-07/178 dated November 16, 2006.

Tenure

6. The Stock will be of thirty-year tenure commencing from June 7, 2006. The stock will be repaid at par on June 7, 2036.

Date of issue and payment for the Stock

7. The result of the auction shall be displayed by the Reserve Bank of India at its Fort, Mumbai office on September 7, 2007. The payment by successful bidders will be on September 10, 2007. i.e., the date of re-issue. The payment for the Stock will include accrued interest on the nominal value of the Stock allotted in the auction from the date of last coupon payment, i.e., June 7, 2007 to September 9, 2007.

Interest

8. Interest at the rate of 8.33 per cent per annum will accrue on the nominal value of the Stock from the date of last coupon payment and will be paid half yearly on December 7 and June 7.

357152707-3

By Order of the President of India

V. SIVASUBRAMANIAN, Director (Budget)

Scheme for Non-competitive Bidding Facility in the Auctions of Government Securities

I. Scope: With a view to encouraging wider participation and retail holding of Government securities it is proposed to allow participation on "non-competitive" basis in *select* auctions of dated Government of India (GOI) securities. Accordingly, non-competitive bids *up to 5 per cent* of the notified amount will be accepted in the auctions of dated securities. The reserved amount will be **within** the notified amount.

II. Eligibility: Participation on a non-competitive basis in the auctions of dated GOI Securities will be open to investors who satisfy the following:

1. do not maintain current account (CA) *or* Subsidiary General Ledger (SGL) account with the Reserve Bank of India.

Exceptions: Regional Rural Banks (RRBs) and Co-operative Banks shall be covered under this Scheme in view of their statutory obligations.

2. make a *single* bid for an amount not more than Rs. two crore (face value) per auction.

3. submit their bid *indirectly* through any *one* bank or PD offering this scheme.

Exceptions: Regional Rural Banks (RRBs) and Co-operative Banks that maintain SGL account and current account with the Reserve bank of India shall be eligible to submit their non competitive bids directly.

III. Coverage: Subject to the conditions mentioned above, participation on "non-competitive" basis is open to any person including firms, companies, corporate bodies, institutions, provident funds, trusts, and any other entity as may be prescribed by RBI. The minimum amount for bidding will be Rs. 10,000 (face value) and thereafter in multiples in Rs. 10,000 as hitherto for dated stocks.

IV. Other Operational Guidelines:

1. It will *not* be mandatory for the retail investor to maintain a constituent subsidiary general ledger (CSGL) account with the bank or PD through whom they wish to participate. However, an investor can make only a single bid under this scheme. An undertaking to the effect that the investor is making only a single bid will have to be obtained and kept on record by the bank or PD.

2. Each bank or PD on the basis of firm orders received from their constituents may submit application -wise bids through NDS. The firm orders received from others (i.e. non-constituents) may be submitted in physical application forms to the PDO. The physical application may be a single bid for the aggregate amount of all the customers. Particulars of individual customer viz. name and amount shall be provided as an Annex to the bid.

3. Allotment under the non-competitive segment to the bank or PD will be at the weighted average rate of yield/price that will emerge in the auction on the basis of the competitive bidding. The securities will be issued to the bank or PD against payment on the date of issue irrespective of whether the bank or PD has received payment from their clients.
 4. In case the aggregate amount of bid is more than the reserved amount (5% of notified amount), pro rata allotment would be made. In case of partial allotments, it will be the responsibility of the bank or PD to appropriately allocate securities to their clients in a transparent manner.
 5. In case the aggregate amount of bids is less than the reserved amount, the shortfall will be taken to competitive portion.
 6. Security would be issued *only* in SGL form by RBI. RBI would credit either the main SGL account or the CSGL account of the bank or PD as indicated by them. The facility for affording credit to the main SGL account is for the sole purpose of servicing investors who are not their constituents. Therefore, the bank or PD would have to indicate clearly at the time of tendering the non-competitive bids the amounts (*face value*) to be credited to their SGL account and the CSGL account. Delivery in physical form from the main SGL account is permissible at the instance of the investor subsequently.
 7. It will be the responsibility of the bank or the PD to pass on the securities to their clients. Except in extraordinary circumstances, the transfer of securities to the clients shall be completed within *five* working days from the date of issue.
 8. The bank or PD can recover upto six paise per Rs100 as brokerage/commission/service charges for rendering this service to their clients. Such costs may be built into the sale price or recovered separately from the clients. In case the transfer of securities is effected subsequent to the issue date of the security, the consideration amount payable by the client to the bank or PD would also include accrued interest from the date of issue.
 9. Modalities for obtaining payment from clients towards cost of the securities, accrued interest wherever applicable and brokerage/commission/service charges may be worked out by the bank or PD as per agreement with the client. It may be noted that no other costs such as funding costs should be built into the price or recovered from the client.
- V. Banks and PDs will be required to furnish information relating to operations under the Scheme to the Reserve Bank of India (Bank) as may be called for from time to time within the time frame prescribed by the Bank.
- VI. The aforesaid guidelines are subject to review by the Bank and accordingly, if and when considered necessary, the Scheme will be modified.
